

DPN 6929

द्यु चर्या दे

CHAPU CARJA ME

Title :

Run. No. 7654

Cat. No.

Micro. No.

Subject चर्यादे / Caryasode

Religion : Hindu / Ba^uddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 11.0 x 21.7

Folios 1

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act / ~~Verses~~ - stanza 1-8

Author / translator

Scribe / donor

Manu Ratna Kase

Date: NS / SS / VS / KS

पलवः अतु ल (नेपाल) वदला माघ

Ruler / place

जोगि (जोगि) मल

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
अन्ता वदला वदला लीला मद्रुरपति जका किन (किन) (1814)

धो मुहति वदन अँगाति ह्य धाँया ॥१॥

Post -
समाप्ति / Colophon

वलव : मृतु सर नेपाल बदला मागि कृष्ण, तीर्थ सप्तमि २ इन्द्र जोडा
तार (?) वृद्धि-जोग का दिनक राज्या ॥ ७ ॥ आतिपाति कुलादि पंकज सुफल
सर्वे जाने के २ बंध तिरान जोति मल मम आविषा (अभिलाष?) प्रहने ॥
इति माल भँगी गी (त?) स्तोत्र समाप्त ॥

ॐ नमो ब्रह्माय ॥ ब्रह्म हरिहर मदन सुरपति जंक्षकिं नरजादा
 साधो रमरुति वदन अंगति रूपधारिया ॥ १ ॥ दिनवलनमिन्न
 तनवरनं वधश्री मुनिमहाबोधि ॥ कदयनिर्मल दया सागरसांति
 सांति प्रसंति ॥ २ ॥ अनेग इति सरधनु कफेतरत्रिपुरपतिपा
 निज्य ॥ तिमिरगुनकुमार निजितज्ञान अंकुसज ॥ ३ ॥ संषपु
 रितपमनामव्य अमति पुरो हिजा ॥ चत्रपदंति मले नराचई
 प्रदत्रधरे ॥ ४ ॥ विविधि अनेग नाजनजा तारचित सुखमि
 ता ॥ स्वर्गमवेपाताल अवं प्रति अवं मजायं नयंका ॥ ५ ॥ हा

त्रिंशत्तन्त्रनपुंरुषलंकृतधर्मकायप्रः ॥ १॥ जन्मजन्मवि
लाषवजिन्तकलबलप्रसंने ॥ ६ ॥ वलवःस्तुष्टनेपाल
वदलामार्चकस्ततिधिसकमि ॥ २ ॥ प्रजाज्ञतारवधिजोगः
वारदिनकराज्य ॥ ७ ॥ जातिपातिकलादिपंकजसुफलएव
जातेवे २ वं च शिरलजोतिमलममजविशषप्रसंने ॥ ८ ॥ इति
मालुसंगीतोत्रं समाप्तं ॥ ॥